ICSE EXAMINATION PAPER- 2025
HINDI
(Second Language)
Class-10th
(Solved)

Maximum Marks: 80 | *Time Allowed: Three Hours* | *Reading Time: Additional Fifteen Minutes*

Instructions to Candidates:
1. *Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.*
2. *You will **not** be allowed to write during the first **15** minutes.*
3. *This time is to be spent in reading the question paper.*
4. *The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.*
5. *Section A is compulsory. All questions in Section A must be answered.*
6. *Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions from the same books you have studied.*
7. *The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].*

SECTION A

LANGUAGE– 40 Marks

Attempt all questions from this Section.

Question 1 **[15]**

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों से संक्षिप्त हिन्दी लेख लिखिए—

(i) आधुनिक समय में विज्ञापन हमें कहाँ-कहाँ किस रूप में दिखाई देते हैं? उनका हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? इस विषय पर अपने विचार निबन्ध रूप में लिखिए।

(ii) वर्षा ऋतु मनुष्यों के साथ-साथ सभी प्राणियों के मन को खुशियों से भर देती है। आप भी किसी ऐसे वर्षा ऋतु के दिन का वर्णन कीजिए जब आप ने अपने परिवार और मित्रों के साथ खूब आनन्द मनाया।

(iii) आधुनिक युग में भूमण्डलीय ऊष्मीकरण (Global Warming) किसे कहा गया है। यह हमारी धरती के साथ-साथ मनुष्यों के लिए भी अत्यन्त हानिकारक है। इस ग्लोबल वार्मिंग को मनुष्यों तथा सरकार के संयुक्त प्रयासों से कैसे नियन्त्रित किया जा सकता है? इसके कारण तथा इससे होने वाले नुकसानों पर अपने विचार प्रस्ताव रूप में लिखिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आरम्भ इस वाक्य से हो—"यह मेरे लिए अत्यन्त खुशी का पल था।"

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2

Write a letter in Hindi of approximately 120 words on any one of the topics given below : **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए—

(i) आपके विद्यालय में 'विज्ञान प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया था जिसमें आपने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था, इसके परिणामस्वरूप आपको क्या लाभ मिला था? इस विषय पर अपने मित्र को पत्र लिखकर बताइए।

अथवा

(ii) आपको आधार कार्ड बनवाने की आवश्यकता पड़ गई है, उस आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए अपना आधार कार्ड

बनवाने के लिए जनसेवा केन्द्र के अधिकारी को अनुरोध पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible :

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए—

एक उथला तालाब मछलियों से भरपूर था। उसमें तीन विशालकाय मछलियाँ भी रहती थी, जो पक्की सखियाँ थी। इनमें पहले वाली मछली दूरदर्शी एवं दीर्घकाल की बात सोचने वाली थी, दूसरे की प्रतिभा ठीक समय पर काम करने वाली थी, परन्तु तीसरी मछली आलसी और प्रत्येक काम को देरी से करने वाली थी। एक दिन कुछ मछुवारों ने इस कम गहराई वाले तालाब से पानी की छोटी-बड़ी नालियाँ बनाकर नीचे वाली भूमि की ओर प्रवाहित करना प्रारम्भ कर दिया, ताकि पानी कम होने से वे सुगमता से वहाँ की मछलियों तथा दूसरे जल-जीवों को पकड़ सकें।

सरोवर के घटते जलस्तर को देखकर दूरदर्शी मछली ने अपनी दोनों सखियों से कहा—"सखियों! ऐसा जान पड़ता है कि हमारे ऊपर संकट के बादल घिरने लगे हैं। जब तालाब का पानी कम हो जाएगा तो मछुआरे हमें शेष मछलियों के साथ आसानी से पकड़ सकते हैं अत: हमें जलाशय का पानी कम होने से पूर्व ही किसी अन्य सरोवर में पहुँचने का मार्ग ढूँढ़ना चाहिए। बुद्धिमान वही है जो आने वाले संकट को पहले से ही अपनी नीति द्वारा मिटा देता है।" इस पर साधारण बुद्धि वाली मछली कहने लगी—"हे सखियों! तुम्हारी बात सर्वथा उचित है, परन्तु मेरे विचारानुसार हमें अभी तालाब छोड़ने की शीघ्रता नहीं करनी चाहिए।" उसी समय तीसरी मछली अपनी सखियों से कहने लगी—"जब मेरे ऊपर संकट आएगा तो उसी समय मैं अपने बचाव का उपाय करूँगी। अभी तो मैं जी भरकर अन्य छोटे जीवों तथा मछलियों को खाकर आराम से सोना चाहती हूँ। बाद में जो होगा देखा जाएगा।"

जब तीनों सखियाँ संकट की इस घड़ी में भी एक मत नहीं हो सकीं तो परम बुद्धिमान दूरदर्शी मछली रात को ही वहाँ से पानी की नालियों द्वारा निकलकर किसी दूसरे गहरे जलाशय में चली गई। कुछ समय पश्चात् मछुआरों ने देखा कि तालाब का सारा पानी लगभग बाहर निकल चुका है तो उन्होंने अपना जाल बिछाकर अनेक मछलियों सहित दोनों मछलियों को भी उसमें फँसा लिया। दूसरी मछली जब जाल में फँस गई तो उसने जान बूझकर अपनी श्वास रोक ली तथा निश्चल होकर मरने का ढोंग करने लगी। जब मछुआरों ने देखा कि वह मछली तो मर चुकी है, तो उन्होंने उसे अपने जाल से निकालकर फेंक दिया। वह किसी तरह घिसटती हुई एक जलाशय में समा गई और इस प्रकार उसने अपने प्राणों की रक्षा की। परन्तु आलसी तथा मूर्ख तीसरी मछली भाग्य पर भरोसा करती हुई जाल में फँसी तड़पती रही। मुसीबत के समय उसे अपनी मृत्यु को निकट आते देख कुछ भी सूझ नहीं रहा था। मछुआरों ने आते ही अन्य मछलियों के साथ उसे भी जाल से निकाला और उसे उठाकर बाज़ार में बेचने के लिए चल पड़े।

ऋषियों तथा विद्वानों ने धर्म शास्त्रों में लिखा है जो प्राणी संकट आने से पहले ही अपने बचाव के लिए उपाय सोचे उसे दूरदर्शी और जो ठीक समय आने पर आत्मरक्षा के बारे में विचार करे उसे साधारण बुद्धि कहा जाता है। एक अन्य प्रकार का जीव भी होता है जिसे दीर्घसूत्री कहा जाता है। ऐसा व्यक्ति अपने आलस्य के कारण घोर संकट को प्राप्त करता है।

जो व्यक्ति सोच समझकर सावधान होकर कार्य करता है वह निश्चय ही अपनी इच्छानुसार फल प्राप्त करता है। कार्य को भविष्य पर छोड़ने वाला व्यक्ति जीवन में उन्नति नहीं कर सकता। सच है 'आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव अपने शब्दों में लिखिए—

प्रश्न:—

(i) तीनों मछलियाँ कहाँ रहती थी? प्रत्येक की विशेषता बताइए। **[2]**

(ii) मछुआरों ने जलाशय के जल को किस ओर प्रवाहित कर दिया और क्यों? **[2]**

(iii) दूरदर्शी मछली ने अपनी दोनों सखियों को क्या सलाह दी? क्या उन्होंने उसकी बात मानी? स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iv) पहली और दूसरी मछली ने अपनी जान कैसे बचायी? **[2]**

(v) तीसरी मछली को किस संकट का सामना करना पड़ा? प्रस्तुत गद्यांश में निहित संदेश भी लिखिए। **[2]**

Question 4

Answer the following according to the instructions given below : [8]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए—

(i) 'निर्मल' का विलोम चुनकर लिखिए—

(a) कोमल **(b)** निर्बल
(c) दुर्बल **(d)** मलिन

(ii) 'वस्त्र' के उचित पर्यायवाची शब्दों के जोड़ा चुनकर लिखिए—

(a) पट - वसन **(b)** आवरण - पर्दा
(c) अस्त्र - शस्त्र **(d)** अम्बर - आकाश

(iii) 'मूर्ख' की भाववाचक संज्ञा चुनकर लिखिए—

(a) अज्ञानी **(b)** बेवकूफ
(c) मौखिक **(d)** मूर्खता

(iv) 'शक्ति' का विशेषण चुनकर लिखिए—

(a) शक्तिपूर्वक **(b)** शक्तिशाली
(c) शक्तिदायी **(d)** शक्तिमय

(v) 'मिठाईयाँ' शब्द का शुद्ध रूप चुनकर लिखिए—

(a) मीठाइयाँ **(b)** मिठाईया
(c) मीठाइया **(d)** मिठाइयाँ

(vi) 'रंग उड़ना' मुहावरे का अर्थ चुनकर लिखिए—

(a) उड़कर भाग जाना (b) रंग चला जाना

(c) भाग जाना (d) चेहरा फीका पड़ना

(vii) निम्नलिखित रेखांकित वाक्यांश हेतु उचित एक शब्द चुनकर लिखिए—

ताजमहल देखने योग्य है।

(a) ताजमहल दर्शनीय है।

(b) ताजमहल अद्भुत है।

(c) ताजमहल अदर्शनीय है।

(d) ताजमहल प्रदर्शनी है।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए—

"आजकल मँहगाई चर्म सीमा पर है।"

(रेखांकित शब्द के स्थान पर उचित शब्द का प्रयोग चुनकर लिखिए।)

(a) ऊँची (b) चरम

(c) चोटी (d) नीची

SECTION B

LITERATURE– 40 Marks

You must anser at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions from the same books that you have chosen.

साहित्य सागर – संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar – Short Stories)

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

सोचने लगा, "यह दुनिया न्याय नगरी नहीं, अन्धेर नगरी है। चोरी पकड़ी गई तो अपराध हो गया। असली अपराधी बड़ी-बड़ी कोठियों में बैठकर दोनों हाथों से धन बटोर रहे हैं। उन्हें कोई नहीं पकड़ता।"

बात अठन्नी की – सुदर्शन
Baat Athanni Ki – Sudarshan

(i) उपर्युक्त कथन को सोचने वाला व्यक्ति कौन है? इस कथन का सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) किस व्यक्ति से, क्या अपराध हो गया था? कारण स्पष्ट कीजिए। [2]

(iii) दोनों हाथों से धन बटोरने वाले लोग कौन हैं? पाठ के आधार पर उनकी मानसिकता पर प्रकाश डालते हुए बताइए कि उनके न पकड़े जाने का क्या कारण है? [3]

(iv) 'यह दुनिया न्याय नगरी नहीं, अँधेर नगरी है'—इस कथन का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहानी का उद्देश्य बताइए। [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

आज चित्रा को जाना था। अरुणा सवेरे से ही उसका सारा सामान ठीक कर रही थी। एक-एक करके चित्रा सबसे मिल आई। बस, गुरूजी से मिलना रह गया था सो उनका आशीर्वाद लेने चल पड़ी। तीन बज गए थे पर, वह लौटी नहीं। पाँच बजे की गाड़ी से वह जाने वाली थी। अरुणा ने सोचा वह खुद जाकर देख आए कि आखिर बात क्या हो गई। तभी बड़बड़ाती-सी चित्रा ने प्रवेश किया, "बड़ी देर हो गई ना।"

दो कलाकार – मन्नू भण्डारी
Do Kalakar – Mannu Bhandari

(i) चित्रा को कहाँ जाना था और क्यों? [2]

(ii) चित्रा तथा अरुणा का परिचय दीजिए। [2]

(iii) चित्रा को आने में देर क्यों हो गई थी? विस्तार से लिखिए। [3]

(iv) पाठ के शीर्षक के अनुसार चित्रा और अरुणा दोनों कलाकार हैं। कहानी के माध्यम से स्पष्ट कीजिए कि आपकी दृष्टि में कौन सच्चा कलाकार है। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

भोला ने कहा, "इन्होंने मँगाई थी। कहते थे, इनसे पतंग तानकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे।" विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह गए। उन्होंने फटी हुई पतंग उठाकर देखी। उस पर चिपके हुए कागज़ पर लिखा हुआ था—काकी।

काकी – सियारामशरण गुप्त
Kaki – Siyaram Sharan Gupta

(i) भोला कौन था? उसके अनुसार किसने पतंग मँगाई थी? [2]

(ii) पतंग मँगाने का क्या कारण था? स्पष्ट करें। [2]

(iii) विश्वेश्वर का परिचय देते हुए बताएँ कि उनके हतबुद्धि होकर खड़े रह जाने का क्या कारण था। [3]

(iv) यह कहानी बच्चों के स्वभाव की किन विशेषताओं को प्रकट करती है? उदाहरण सहित बताइए। [3]

साहित्य सागर – पद्य भाग
(Sahitya Sagar – Padya Bhag)

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

"जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥"

साखी - कबीरदास
Sakhi – Kabir Das

(i) यह पंक्तियाँ किस भाषा में रचित है? उक्त पंक्ति में "मैं" शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है? **[2]**

(ii) प्रथम पंक्ति में कवि ने क्या कहना चाहा है? स्पष्ट करें। **[2]**

(iii) "तामे दो न समाहि" का क्या अभिप्राय है? कवि यहाँ किस बात पर बल देते हैं? **[3]**

(iv) कबीरदास को कवि से अधिक समाज सुधारक क्यों माना जाता है? पठित पाठ के आधार पर बताइए कि उनकी भक्ति भावना कैसी थी? **[3]**

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

लेकिन विघ्न अनेक अभी
इस पथ पर अड़े हुए हैं
मानवता की राह रोककर
पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं
जब तक मानव-मानव को
चैन कहाँ धरती पर तब तक
शाँति कहाँ इस भव को?

स्वर्ग बना सकते हैं - रामधारी सिंह 'दिनकर'
Swarg Bana Sakte Hain – Ramdhari Singh 'Dinkar'

(i) इस कविता में 'धर्मराज' कहकर किसे सम्बोधित किया गया है तथा धर्मराज को यह सन्देश कौन दे रहा है? **[2]**

(ii) कवि के अनुसार मनुष्य का जीवन कैसा होना चाहिए? कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

(iii) मानव जीवन के विकास में कौन-कौन सी बाधाएँ और आशंकाएँ उपस्थित हैं? ये बाधाएँ और आशंकाएँ कैसे दूर हो सकती हैं? **[3]**

(iv) 'भव' शब्द का अर्थ लिखकर कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 10

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

व्यथित है मेरा हृदय प्रदेश,
चलूँ उसको बहलाऊँ आज।
बताकर अपना सुख-दुख उसे,
हृदय का भार हटाऊँ आज॥
चलूँ माँ के पद-पंकज पकड़,
नयन जल से नहलाऊँ आज।
मातृ-मन्दिर में मैंने कहा......
चलूँ दर्शन कर आऊँ आज॥

मातृ मन्दिर की ओर - श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान
Maatri Mandir Ki Or – Shrimati Subbadra Kumari Chauhan

(i) 'व्यथित' शब्द का अर्थ लिखकर बताइए कि यहाँ किसका हृदय व्यथित है? **[2]**

(ii) कवयित्री अपना सुख-दुख किसके साथ साझा करना चाहती हैं और किस प्रकार? **[2]**

(iii) कविता के आधार पर बताइए कि मातृ मन्दिर का मार्ग दुर्गम किस प्रकार है? उसे पार करने हेतु कवयित्री किससे सहायता की प्रार्थना करती हैं? **[3]**

(iv) कविता का मूल-भाव बताते हुए इसमें निहित सन्देश लिखिए। **[3]**

एकांकी संचय
(Ekanki Sanchay)

Question 11

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

"शिकायत आपको हमसे है, उस भोली-भाली लड़की ने आपका क्या बिगाड़ा है, जो विदा न करके आप उससे बदला ले रहे हैं।"

बहू की विदा - विनोद रस्तोगी
Bahu ki Vida – Vinod Rastogi

(i) जीवनलाल को किस व्यक्ति से शिकायत थी और क्या शिकायत थी? **[2]**

(ii) भोली-भाली लड़की कौन है? उसके पति का नाम बताइए। **[2]**

(iii) क्या जीवनलाल ने अपनी बहू को विदा किया? यदि हाँ, तो उनके हृदय-परिवर्तन का कारण बताइए। **[3]**

(iv) जीवनलाल की पत्नी कौन थी? जीवनलाल एवं उनकी पत्नी के चरित्र का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए। **[3]**

Question 12

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

ताक़त की बात छोड़ों, अभय सिंह। प्रत्येक राजपूत को अपनी ताक़त पर नाज है। इतने बड़े दंभ को मेवाड़ अपने प्राणों में आश्रय न दें, इसी में उसका कल्याण है। रह गई बात एक माला गूँथने की, तो वह माला तो बनी हुई है। हाँ, उस माला को तोड़ने का श्रीगणेश हो गया है।

मातृभूमि का मान — हरिकृष्ण 'प्रेमी'
Matribhoomi Ka Mann – Harikrishna 'Premi'

(i) अभय सिंह कौन है? वे राव हेमू के पास किसका, क्या सन्देश लेकर आए है? **[2]**

(ii) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है? इस कथन के पीछे उनका क्या आशय है? **[2]**

(iii) राव हेमू की तीन चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **[3]**

(iv) 'मातृभूमि का मान' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 13

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

'चली गई। ऐसा मैं नहीं सुन सकूँगी। जो मुझे करना है वह सामली सुन भी न सकेगी। भवानी तुमने मेरे हृदय को कैसा कष्ट दिया? मुझे बल दो कि मैं राजवंश की रक्षा में अपना रक्त दे सकूँ।'

दीपदान - डॉ. रामकुमार वर्मा

Deepdan – Dr. Ram Kumar Verma

(i) यहाँ किस राजवंश की बात की जा रही है? उस पर कौन-सा संकट आया था? **[2]**

(ii) वक्ता क्या करना चाहता था तथा क्यों करना चाहता था? **[2]**

(iii) राजवंश की रक्षा किसने किस प्रकार की? वर्णन कीजिए। **[3]**

(iv) "दीपदान" का अर्थ क्या है? एकांकीकार ने 'दीपदान' से क्या सन्देश देना चाहा है? **[3]**

नया रास्ता - सुषमा अग्रवाल

(Naya Rasta – Sushma Agarwal)

Question 14

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

आखिर मीनू का हॉस्टल जाने का दिन आ ही गया उसके सामने एक उद्देश्य था, एक सपना था जो पूरा करना ही था। घर छोड़ते समय मीनू की आँखों में आँसू छलछला पड़े। कितना अजीब लग रहा था उसे घर छोड़ना। अपनी माँ से, भाई-बहन से पहली बार अलग हो रही थी।

(i) मीनू अपने किस उद्देश्य की पूर्ति के लिए कहाँ जा रही थी? **[2]**

(ii) हॉस्टल जाने से पूर्व मीनू के मन में क्या भाव उठे? उसकी आँखें क्यों छलछला पड़ी? **[2]**

(iii) मीनू के जाने से पहले उसकी माँ और पिताजी हर रोज़ क्या बनाकर एवं क्या लाकर अपना स्नेह प्रदर्शित करते थे? माँ ने जाते समय मीनू को क्या आशीर्वाद दिया? **[3]**

(iv) मीनू ने विवाह का सपना देखना क्यों छोड़ दिया था? उसका यह फैसला उसकी किस चारित्रिक विशेषता की ओर संकेत करता हैं? **[3]**

Question 15

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

"यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़ प्यार से करते हैं उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों सौंप देते हैं। हर पल साथ रहने वाली बिटिया के लिए घर पराया हो जाता है। घर ही क्या बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

(i) प्रस्तुत अवतरण का उल्लेख किसकी शादी के सन्दर्भ में किया गया है? उसकी शादी कहाँ और किसके साथ हो रही थी? **[2]**

(ii) 'बेटी पराया धन होती है'—भारतीय परम्परा को आधार मानकर इस कथन का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iii) विदाई के बाद माँ को फूट फूटकर रोता देख मीनू के मस्तिष्क में कौन से विचार घूमने लगे? **[3]**

(iv) 'आशा के विवाह में मीनू एक आदर्श बहन तथा योग्य बेटी की भूमिका निभाने में पूर्णतया सफल रही'—इस कथन को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Question 16

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए—

धनीमल जी के साथ आई फल की पेटी अमित को एक आँख भी नहीं भा रही थी। वह समझता था कि वे अपने पैसे का जादू डालकर सबको मोह लेना चाहते हैं। जब अभी रिश्ता पक्का नहीं हुआ तो फल किस बात के। अमित से रहा नहीं गया। उसने धनीमल से पूछ ही लिया, "ये फल क्यों ले आए हैं आप! इस सब की क्या ज़रूरत थी?"

(i) धनीमल जी कौन है तथा वे वहाँ क्यों आए थे? **[2]**

(ii) अमित का परिचय देते हुए बताएँ कि उसे फल की पेटी एक आँख भी क्यों नहीं भा रही थी? **[2]**

(iii) यहाँ किस रिश्ते की बात हो रही है? क्या अमित इस रिश्ते से प्रसन्न था? यदि नहीं, तो क्यों? स्पष्ट करें। **[3]**

(iv) अमित द्वारा फल की पेटी लाने के पीछे उद्देश्य पूछने पर धनीमल जी ने क्या उत्तर दिया? उनके उत्तर को सुनकर अमित की क्या प्रतिक्रिया हुई **[3]**

●●●

उत्तरमाला

SECTION A

LANGUAGE– 40 Marks

Answer 1.

(i) विज्ञापनः प्रभाव एवं आधुनिक जीवन में इसकी भूमिका

विज्ञापन आधुनिक युग का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है, जो उत्पादों और सेवाओं की जानकारी लोगों तक पहुँचाने का कार्य करता है। यह हमें विभिन्न रूपों में दिखाई देता है, जैसे—रेडियो, अखबार, पत्रिकाएँ, इंटरनेट, मोबाइल एप्स, होर्डिंग्स, और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स। आज के डिजिटल युग में विज्ञापन केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीति पर भी गहरा प्रभाव डालता है।

विज्ञापन के रूप और उनका प्रभाव—

1. **व्यावसायिक विज्ञापन—**यह उपभोक्ताओं को नए उत्पादों और सेवाओं से अवगत कराता है और कंपनियों की बिक्री बढ़ाने में सहायक होता है।
2. **सामाजिक विज्ञापन—**ये जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बनाए जाते हैं, जैसे स्वच्छता अभियान, दवा सेवन के प्रति जागरूकता, या बाल विवाह रोकने संबंधी विज्ञापन।
3. **राजनीतिक विज्ञापन—**चुनाव के समय विभिन्न राजनीतिक दल अपने प्रचार के लिए विज्ञापनों का उपयोग करते हैं।
4. **डिजिटल और सोशल मीडिया विज्ञापन—**इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण आजकल गूगल, फेसबुक, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर विज्ञापन अधिक देखने को मिलते हैं।

विज्ञापन का हमारे जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ते हैं। सकारात्मक रूप से यह हमें नए उत्पादों की ज़ानकारी देकर हमारी ज़रूरतें पूरी करता है। सामाजिक जागरूकता फैलाने में भी यह महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लेकिन दूसरी ओर, विज्ञापन हमें कभी-कभी अनावश्यक खर्च करने के लिए प्रेरित करते हैं। आकर्षक प्रचार के कारण लोग ऐसी चीजें भी खरीद लेते हैं जिनकी उन्हें आवश्यकता नहीं होती। इसके अलावा, कुछ विज्ञापन भ्रामक होते हैं जो उपभोक्ताओं को गलत जानकारी देकर गुमराह कर सकते हैं।

विज्ञापन आधुनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। यह सूचना और व्यापार के प्रसार का प्रमुख साधन है। हालाँकि, हमें इसके प्रभावों को समझकर विवेकपूर्ण निर्णय लेने चाहिए ताकि हम व्यर्थ के प्रभाव में न आएँ और इसका सही लाभ उठा सकें। **15**

(ii) वर्षा ऋतु का आनंददायक दिन

वर्षा ऋतु प्रकृति के लिए एक वरदान के समान होती है। यह न केवल पेड़-पौधों को हरा-भरा बनाती है, बल्कि मनुष्यों और सभी जीवों के मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। मुझे आज भी वह खूबसूरत दिन याद है जब मैंने अपने परिवार और मित्रों के साथ वर्षा का भरपूर आनंद उठाया था।

उस दिन सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए थे। ठंडी-ठंडी हवा बह रही थी, और मौसम बहुत सुहावना लग रहा था। अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। मैं और मेरे छोटे भाई-बहन बारिश में भीगने के लिए दौड़ पड़े। हमारे उत्साह को देखकर मेरे माता-पिता और कुछ पड़ोसी भी बाहर आ गए। कुछ देर में मेरे मित्र भी आ गए और फिर क्या था। हम सबने मिलकर बारिश में भीगते हुए खेलना शुरू कर दिया।

हमने कागज़ की नावें बनाईं और उन्हें बहते पानी में छोड़ा। बारिश की बूँदों से तरबतर होकर सभी बच्चे खुशी से उछल-कूद करने लगे। हमारी हँसी और खुशियों से पूरा माहौल जीवंत हो गया। खेल-कूद के बाद माँ ने गरमागरम पकौड़े और चाय बनाई, जिसे हम सबने मिलकर बरामदे में बैठकर खाया। वह स्वाद आज भी याद कर मन को प्रफुल्लित कर देता है।

बारिश के बाद जब मौसम साफ़ हुआ, तो आकाश में इंद्रधनुष दिखाई दिया, जो इस सुहाने दिन की सुंदरता को और भी बढ़ा रहा था। वह दिन मेरे जीवन के सबसे आनंददायक दिनों में से एक था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। वर्षा ऋतु सच में जीवन में नई ऊर्जा और खुशियाँ भर देती है। **15**

(iii) भूमंडलीय उष्मीकरणः एक गंभीर संकट एवं उसके समाधान

आधुनिक युग में भूमंडलीय ऊष्मीकरण (Global Warming) पृथ्वी के तापमान में हो रही असामान्य वृद्धि को कहा जाता है। यह समस्या मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों, जैसे—कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड की अधिकता के कारण उत्पन्न हो रही है। औद्योगीकरण, वनों की कटाई, और जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से यह समस्या दिन-ब-दिन गंभीर होती जा रही है।

ग्लोबल वार्मिंग के प्रमुख कारण

1. औद्योगीकरण और कारखानों से निकलने वाला धुआँ
2. डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की बढ़ती संख्या
3. वनों की अंधाधुंध कटाई जिससे कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण कम हो जाता है।
4. कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अधिक उपयोग
5. कृषि में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग

ग्लोबल वार्मिंग से होने वाले नुकसान

1. **मौसम परिवर्तन—**अत्यधिक गर्मी, अनियमित वर्षा और बर्फ़ के पिघलने से जलवायु असंतुलन बढ़ रहा है।

2. **समुद्र के जलस्तर में वृद्धि**—ध्रुवों की बर्फ़ पिघलने से तटीय क्षेत्र डूबने का खतरा बढ़ गया है।
3. **प्राकृतिक आपदाएँ**—बाढ़, सूखा, तूफान जैसी आपदाएँ अधिक हो रही हैं।
4. **मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव**—अधिक तापमान से कई नई बीमारियाँ फैल रही हैं, जिससे मनुष्यों का जीवन संकट में आ गया है।

नियंत्रण के उपाय

1. **वन संरक्षण और अधिक वृक्षारोपण**—पेड़-पौधे कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करते हैं और संतुलन बनाए रखते हैं।
2. **नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग**—सौर, पवन और जल ऊर्जा का उपयोग बढ़ाकर जीवाश्म ईंधनों की खपत कम की जा सकती है।
3. **वाहनों के उपयोग में कमी**—सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना चाहिए।
4. **प्लास्टिक और हानिकारक रसायनों का कम प्रयोग**—यह पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करेगा।
5. **सरकारी और जनसहयोग द्वारा जागरूकता अभियान**—ग्लोबल वार्मिंग की रोकथाम के लिए सरकार और जनता को मिलकर प्रयास करने होंगे।

भूमंडलीय उष्मीकरण एक वैश्विक समस्या है, जिसका समाधान केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के योगदान से संभव है। यदि हम सभी पर्यावरण के प्रति जागरूक हों और अपनी जीवनशैली में बदलाव करें, तो हम इस संकट को कम कर सकते हैं और पृथ्वी को सुरक्षित बना सकते हैं। **15**

(iv) **अविश्वसनीय सफलता**

यह मेरे लिए अत्यंत खुशी का पल था। मेरी आँखों में आँसू थे, लेकिन ये आँसू खुशी और गर्व के थे। आज मैंने वह सपना साकार कर लिया था, जिसके लिए मैंने वर्षों तक मेहनत की थी।

मैं एक छोटे से गाँव में पला-बढ़ा था, जहाँ उच्च शिक्षा के साधन बहुत सीमित थे। मेरे माता-पिता किसान थे और उनकी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि वे मुझे शहर में पढ़ने भेज सकें। लेकिन मेरी लगन और मेहनत के कारण उन्होंने मेरा हमेशा साथ दिया। मैंने गाँव के ही एक सरकारी विद्यालय में पढ़ाई की और हर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मेरे शिक्षक हमेशा कहते थे, "सपने देखो और उन्हें पूरा करने के लिए जी-जान से मेहनत करो।" उनकी इस बात को मैंने अपने जीवन का मंत्र बना लिया। बारहवीं की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के बाद मैंने एक प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेज की प्रवेश परीक्षा दी। लेकिन मेरे पास कोचिंग जैसी कोई सुविधा नहीं थी, इसलिए मैं अपने प्रयासों को लेकर संदेह में था।

आज उसी परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ था, और मैं न केवल सफल हुआ था, बल्कि मेरी रैंक इतनी अच्छी थी कि मुझे पूरी छात्रवृत्ति मिल गई थी। यह मेरे माता-पिता के लिए भी गर्व का क्षण था। मेरी माँ की आँखों में खुशी के आँसू थे, और पिताजी का चेहरा गर्व से दमक रहा था।

अब मेरा सपना था कि मैं एक सफल इंजीनियर बनकर अपने गाँव के अन्य बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करूँ। यह मेरे जीवन की एक नई शुरुआत थी, और इस पल को मैं कभी नहीं भूल सकता। **15**

(v) दिए गए चित्र में 10 वर्षीय नेहा की दुनिया तब बदल गई जब उसकी माँ का देहांत हो गया। उसके पिता एक मज़दूर थे और रोज़ी-रोटी के लिए दिनभर काम पर रहते थे। घर में सिर्फ़ नेहा और उसकी 4 साल की छोटी बहन पायल बची थीं। माँ के जाने के बाद पायल बहुत रोती थी, लेकिन नेहा अपने आँसू पीकर उसे सम्भालने की कोशिश करती।

सुबह उठकर नेहा खुद भी स्कूल जाती और पायल को भी तैयार करती। माँ की तरह उसकी चोटी बनाती, टिफ़िन तैयार करती और फिर पड़ोस की आंटी के पास छोड़कर स्कूल चली जाती। स्कूल से लौटते ही सबसे पहले पायल को गोद में लेकर उसे प्यार से खाना खिलाती। कभी-कभी पैसे कम होने के कारण दोनों बहनें सिर्फ़ रोटी और नमक खाकर ही सो जातीं, लेकिन नेहा ने कभी पायल को भूखा नहीं सोने दिया।

एक दिन पायल बीमार पड़ गई। पिता काम पर गए थे और घर में पैसे नहीं थे। नेहा घबराई नहीं, वह पड़ोस की आंटी के पास गई और उनसे मदद माँगी। आंटी ने न केवल दवा दिलवाई, बल्कि डॉक्टर के पास भी ले गई। धीरे-धीरे पायल ठीक हो गई।

नेहा का प्यार और समर्पण देखकर पड़ोस के लोग भी उसकी मदद करने लगे। स्कूल में टीचर ने भी उसकी ज़िम्मेदारी को समझकर उसकी पढ़ाई में सहायता करनी शुरू कर दी।

समय बीतता गया, और नेहा ने अपनी मेहनत से पढ़ाई पूरी की। बड़ी होकर उसने एक शिक्षक बनने का सपना पूरा किया ताकि वह अन्य जरूरतमंद बच्चों की मदद कर सके। माँ के बिना भी नेहा ने पायल को माँ की ममता और बहन का सहारा दोनों दिया। उसकी हिम्मत और प्यार ने यह साबित कर दिया कि सच्ची ममता केवल माँ तक सीमित नहीं होती, बल्कि एक बहन भी माँ का रूप ले सकती है। **15**

Answer 2.

(i) परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक 06.03.2025

प्रिय मित्र रोहित,

सप्रेम नमस्कार! आशा है तुम कुशल पूर्वक होंगे। आज मैं तुम्हें अपने विद्यालय में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी के बारे में बताना चाहता हूँ।

हाल ही में हमारे विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित हुई, जिसमें मैंने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैंने एक पर्यावरण-संबंधी मॉडल प्रस्तुत किया, जिससे जल संरक्षण के महत्त्व को दर्शाया गया। इस प्रदर्शनी में भाग लेकर मुझे

न केवल विज्ञान के नए प्रयोगों की जानकारी मिली, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा। मेरे प्रोजेक्ट को सराहना मिली और मैं पुरस्कार जीतने में सफल रहा। इसके अलावा, टीम वर्क और समस्या-समाधान की क्षमता भी विकसित हुई।

यह अनुभव बहुत ही ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। अगली बार तुम भी अवश्य भाग लेना!

तुम्हारा मित्र,

अमित 7

(ii) **अथवा**

सेवा में,

जनसेवा केंद्र अधिकारी महोदय,

कानपुर

विषय: आधार कार्ड बनवाने हेतु अनुरोध पत्र

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मुझे अपने पहचान एवं पते के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड की आवश्यकता है। वर्तमान में, किसी सरकारी योजना का लाभ लेने/परीक्षा फॉर्म भरने/बैंक खाता खुलवाने (अपनी आवश्यकता के अनुसार कारण लिखें) के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है। किंतु मेरे पास अभी तक आधार कार्ड नहीं है।

अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि कृपया मेरे आधार कार्ड पंजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने में सहायता करें। आवश्यक दस्तावेज संलग्न हैं। कृपया मुझे जल्द से जल्द आधार कार्ड जारी करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

भवदीय,

कमल

कनक भवन 7

Answer 3.

(i) तीनों मछलियाँ एक तालाब में रहती थीं। पहली मछली दूरदर्शी, दूसरी साधारण बुद्धि वाली तथा तीसरी आलसी एवं मूर्ख थी। 2

(ii) मछुआरों ने जलाशय के जल को नीचे वाली भूमि की ओर प्रवाहित कर दिया, ताकि पानी कम होने पर वे सुगमता से वहाँ की मछलियों तथा दूसरे जल जीवों को पकड़ सकें। 2

(iii) दूरदर्शी मछली ने अपनी दोनों सखियों को सलाह दी कि हमें जलाशय का पानी कम होने से पूर्व ही किसी अन्य सरोवर में पहुँचने का मार्ग ढूँढ़ना चाहिए। लेकिन, उन्होंने उसकी बात नहीं मानी। 2

(iv) पहली मछली उस तालाब से निकलकर दूसरे जलाशय में चली गई तथा दूसरी मछली ने अपने श्वास को रोककर मरने का ढोंग कर लिया। इस प्रकार उन दोनों ने अपनी जान बचाई। 2

(v) तीसरी मछली को अपने प्राणों के संकट का सामना करना पड़ा। व्यक्ति को दूरदर्शी एवं आलस्य रहित होना चाहिए। 2

SECTION B

LITERATURE–40 Marks

Answer 4.

(i) विकल्प (d) सही है। 1

(ii) विकल्प (a) सही है। 1

(iii) विकल्प (d) सही है। 1

(iv) विकल्प (b) सही है। 1

(v) विकल्प (d) सही है। 1

(vi) विकल्प (d) सही है। 1

(vii) विकल्प (a) सही है। 1

(viii) विकल्प (b) सही है। 1

Answer 5.

(i) प्रस्तुत कथन रमज़ान द्वारा कहा गया क्योंकि उसके गरीब मित्र रसीला को जिला मजिस्ट्रेट शेख साहब ने अठन्नी की चोरी के अपराध में छह महीने की सजा सुनाई थी। जबकि उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। 2

(ii) रमज़ान से चोरी करने का अपराध हो गया था। वह एक गरीब व्यक्ति था, जो आर्थिक तंगी के कारण बहुत परेशान था। उसे अपना और अपने परिवार का पेट पालना मुश्किल हो रहा था। ऐसी स्थिति में, मजबूरीवश उसने चोरी करने का प्रयास किया। दुर्भाग्यवश, वह चोरी करते समय पकड़ा गया, और उसे अपराधी ठहराया गया। 2

(iii) दोनों हाथों से धन बटोरने वाले लोग वे अमीर और शक्तिशाली लोग हैं, जो अनैतिक तरीको से संपत्ति अर्जित करते हैं। ये लोग भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और शोषण के माध्यम से धन कमाते हैं और क़ानून की कमज़ोरी, सत्ता और प्रभाव एवं धन - रिश्वत के कारण नहीं पकड़े जाते हैं। 3

(iv) इस कथन के माध्यम से लेखक समाज में व्याप्त अन्याय और असमानता को व्यक्त करता है। उसका कहना है कि इस दुनिया में न्याय नहीं, बल्कि अन्याय का बोलबाला है। गरीब व्यक्ति यदि अपनी मजबूरी में छोटा सा अपराध करता है, तो उसे अपराधी घोषित कर दिया जाता है और कठोर दंड दिया जाता है। इस कहानी का मुख्य उद्देश्य समाज में फैली आर्थिक असमानता और न्याय प्रणाली की खामियों को उजागर करना है। 3

Answer 6.

(i) चित्रा को चित्रकला के संबंध में विदेश जाना था। 2

(ii) चित्रा और अरुणा मन्नू भंडारी की कहानी 'दो कलाकार' की प्रमुख पात्र हैं। चित्रा एक संवेदनशील और भावुक लड़की है, जो एक कलाकार भी हो सकती है। अरुणा उसकी सहेली या साथी है, जो चित्रा की यात्रा की तैयारियों में उसकी मदद कर रही है। इससे पता चलता है कि वह ज़िम्मेदार और देखभाल करने वाली है। 2

(iii) चित्रा को आने में देर इसलिए हो गई थी क्योंकि वह गुरूजी से आशीर्वाद लेने गई थी और वहाँ उसका अधिक समय बीत गया। चित्रा एक संवेदनशील और भावुक लड़की है, जिसे अपने गुरूजी के प्रति गहरी श्रद्धा और लगाव है। जब वह सबसे मिल चुकी थी, तो केवल गुरूजी से मिलना बाकी रह गया था। वह उनके पास आशीर्वाद लेने गई, लेकिन वहाँ उसे लौटने में देर हो गई। **3**

(iv) मन्नू भंडारी की कहानी 'दो कलाकार' में चित्रा और अरुणा, दोनों को कलाकार के रूप में प्रस्तुत किया गया है, लेकिन उनकी कला और व्यक्तित्व में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है।

मेरी दृष्टि में चित्रा एक सच्ची कलाकार है क्योंकि वह एक संवेदनशील और भावुक कलाकार है, जो अपने भावों और संवेदनाओं में गहरे डूबी रहती है। वह केवल बाहरी रूप से कला का अभ्यास नहीं करती, बल्कि उसमें पूरी तरह रम जाती है। गुरूजी से मिलने के बाद उसका देर से लौटना यह दर्शाता है कि वह कला को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि एक गहरे आध्यात्मिक अनुभव के रूप में लेती है। **3**

Answer 7.

(i) भोला सुखिया दासी का लड़का था। उसके अनुसार पतंग श्यामू ने मँगाई थी। **2**

(ii) पतंग मँगाने का कारण यह था कि श्यामू की माँ की मृत्यु हो गई थी । उसे गुरुजनों ने बताया कि उसकी माँ ऊपर राम जी के यहाँ चली गई हैं। इसीलिए उसने अपनी माँ को राम जी के यहाँ से नीचे उतारने के लिए पतंग मँगाई थी। **2**

(iii) विश्वेश्वर, श्यामू के पिता थे। वह हतबुद्धि होकर इसलिए खड़े रह गए क्योंकि जब उन्होंने पतंग पर काकी का नाम लिखा हुआ देखा तो उन्हें पश्चाताप हुआ और उन्हें एहसास हुआ कि उन्होंने व्यर्थ ही अपने बच्चे को थप्पड़ मार दिया। **3**

(iv) 'काकी' कहानी में बच्चों के स्वभाव की मासूमियत और सहज संवेदनशीलता को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है। बच्चे अपनी सरल सोच, निष्कपट प्रेम और गहरी संवेदनशीलता के कारण समाज की कई कठोर वास्तविकताओं को अपने ढंग से समझते और व्यक्त करते हैं। यहाँ श्यामू अपनी काकी को बहुत याद करता है इसलिए काकी को राम जी के यहाँ से उतारने के लिए पतंग और डोर की व्यवस्था चोरी करके करता है। **3**

Answer 8.

(i) उक्त पंक्तियाँ हिंदी की ब्रज भाषा में रचित हैं। ये भक्तिकाल के प्रसिद्ध संत कबीरदास जी की हैं, जो भक्तिपरक और दार्शनिक विचारों से ओतप्रोत हैं। यहाँ 'मैं' का प्रयोग अहंकार (अहम्) या आत्मबोध के अर्थ में हुआ है। **2**

(ii) 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहि।'

इसका अर्थ है कि जब तक व्यक्ति अपने अहंकार (अहं) से भरा हुआ रहता है, तब तक उसमें ईश्वर (हरि) का वास नहीं होता। 'मैं' यहाँ अहंकार, आत्म-अभिमान, और स्वयं के अस्तित्व की भावना का प्रतीक है। **2**

(iii) 'तामे दो न समाहि' का अर्थ है कि इस संकरी प्रेम गली में दो का अस्तित्व एक साथ नहीं हो सकता। संत कबीर इस दोहे में अहंकार के त्याग और ईश्वर-प्रेम में पूर्ण समर्पण पर बल देते हैं। वे कहते हैं कि जब तक 'मैं' अर्थात् अहंकार मौजूद था, तब तक ईश्वर (हरि) का अनुभव नहीं हुआ। लेकिन जब अहंकार समाप्त हो गया, तब केवल ईश्वर ही रह गए। **3**

(iv) कबीरदास केवल एक कवि ही नहीं, बल्कि एक महान् समाज सुधारक भी थे। उनकी रचनाएँ समाज में फैली कुरीतियों, आडंबरों और पाखंडों पर तीखा प्रहार करती थीं। वे हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों में फैली रूढ़ियों के खिलाफ़ थे और एक निर्गुण ईश्वर की भक्ति का संदेश देते थे। कबीरदास की भक्ति भावना निर्गुण भक्ति पर आधारित थी, जिसमें ईश्वर को किसी मूर्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक सर्वव्यापी शक्ति के रूप में माना जाता है। **3**

Answer 9.

(i) इस कविता में युधिष्ठिर को धर्मराज कहकर संबोधित किया गया है तथा धर्मराज को यह सन्देश भीष्म पितामह दे रहे हैं। **2**

(ii) कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के अनुसार, मनुष्य का जीवन संघर्षमय होते हुए भी मानवता, न्याय और शांति के मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए। उन्होंने मानवता की राह में आने वाली बाधाओं को पर्वतों की तरह अटल बताया है, जिन्हें दूर किए बिना सुख और शांति संभव नहीं। **2**

(iii) दिनकर जी यह संदेश देते हैं कि मानवता की राह में कई बाधाएँ हैं, लेकिन यदि हम न्याय, समानता, प्रेम और शांति का मार्ग अपनाएँ, तो हम इस धरती को स्वर्ग बना सकते हैं। मानवता की सच्ची प्रगति तभी होगी जब हर व्यक्ति को उसका उचित अधिकार मिलेगा और समाज में भेदभाव तथा अन्याय का अंत होगा। **3**

(iv) भव शब्द का अर्थ है संसार। भीष्म पितामह युधिष्ठिर से कहते हैं कि जब तक इस धरती पर रहने वाले मानव को न्याय के अनुसार सुख-सुविभाएँ प्राप्त नहीं हो जातीं तब तक वह चैन से नहीं बैठ सकते। और जब तक मानव का मन अशांत है क्या इस धरती पर शान्ति की कल्पना की जा सकती है? ऐसी स्थिति में तो समूचे विश्व में शांति खोजने पर भी नहीं मिलेगी। इसलिए यह ज़रूरी है कि सभी व्यक्तियों को समान रूप में न्याय के अनुसार उनके विकास के लिए सुख-सुविधाओं का प्राप्त होना अत्यंत आवश्यक है। **3**

Answer 10.

(i) 'व्यथित' शब्द का अर्थ दुखी, व्याकुल, चिंतित या पीड़ित होता है। यह भावनात्मक पीड़ा या मन की अस्थिरता को दर्शाता है। इस कविता में कवयित्री का हृदय व्यथित है। **2**

(ii) कवयित्री माँ (मातृभूमि) के साथ अपना सुख-दु:ख साझा करना चाहती हैं। वे अपने हृदय की व्यथा को माँ के चरणों में रखकर हल्का करना चाहती हैं। वे अपनी भावनाओं को व्यक्त करके हृदय का भार हल्का करना चाहती हैं और माँ से सांत्वना प्राप्त करना चाहती हैं। **2**

(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान की इस कविता में 'मातृ मंदिर' प्रतीकात्मक रूप से मातृभूमि (भारत माता) की सेवा और स्वतंत्रता के मार्ग को दर्शाता है। कवयित्री के अनुसार, यह मार्ग दुर्गम इसलिए है क्योंकि—

- यह संघर्ष और बलिदान की राह है, जिसमें अनेक कठिनाइयाँ और बाधाएँ हैं।
- मातृभूमि की सेवा में समर्पण, त्याग और धैर्य की आवश्यकता होती है।
- देश को स्वतंत्र करने और उसे गौरवशाली बनाने के लिए त्याग और आत्मबलिदान करना पड़ता है।

कवयित्री इस कठिन मार्ग को पार करने के लिए माँ (भारत माता) और ईश्वर से सहायता और आशीर्वाद की प्रार्थना करती हैं। **3**

(iv) यह कविता देशभक्ति, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा, सेवा और त्याग का संदेश देती है। कवयित्री ने अपनी भावनाओं को माँ के चरणों में समर्पित करने की बात कहकर यह स्पष्ट किया है कि सच्ची भक्ति और शांति मातृभूमि की सेवा और उसके प्रति प्रेम में ही निहित है। **3**

Answer 11.

(i) जीवनलाल को अपने दामाद से शिकायत थी। उनकी शिकायत यह थी कि उनकी बेटी की विदाई नहीं की जा रही थी। **2**

(ii) भोली-भाली लड़की कमला है और उसके पति का नाम रमेश है। **2**

(iii) जी हाँ, अंततः जीवनलाल ने अपनी बहू को विदा किया। आत्मबोध और संवेदनशीलता के कारण ही उन्होंने बहू की विदाई की अनुमति दी। जीवनलाल की लड़की को भी जब उसका ससुर विदा नहीं करता है और अधिक दहेज की माँग करता है तब जीवनलाल को पता चलता है कि उसका व्यवहार कितना गलत था लेकिन उसकी पत्नी की भलमनसाहत से उसका हृदय बदल जाता है और वह कमला को विदा कर देता है। **3**

(iv) जीवनलाल की पत्नी राजेश्वरी थी।

राजेश्वरी का चरित्र—

राजेश्वरी एक सुलझी हुई महिला है।

वह दहेज प्रथा की बुराईयों को समझती है।

वह बहू के मायके जाने का समर्थन करती है।

जीवनलाल का चरित्र—

जीवनलाल एक धनलोभी और कठोर स्वभाव वाला व्यक्ति है।

वह अपनी बहू कमला को विदा इसलिए नहीं करता है कि उसे पाँच हज़ार रुपये दहेज के रूप में और मिलने चाहिए।

वह अपनी बहू के दिए गए पैसों से संतुष्ट नहीं था। **3**

Answer 12.

(i) अभय सिंह मेवाड़ के सेनापति हैं, जो अपनी वीरता और स्वाभिमान के लिए जाने जाते हैं। वे मेवाड़ के शासक महाराणा लाखा का संदेश लेकर राव हेमू के पास आए हैं। **2**

(ii) उपयुक्त कथन के वक्ता राव हेमू हैं। इस कथन के पीछे का आशय है कि राव हेमू बूँदी को हर हाल में स्वतंत्र देखना चाहते थे। वह बूँदी की रक्षा के लिए हर प्रकार के युद्ध के लिए तैयार हैं। **2**

(iii) राव हेमू बूँदी के शासक हैं। वे अत्यन्त स्वाभिमानी, देशभक्त, कर्त्तव्यपरायण, निर्भीक एवं सच्चे राजपूत हैं। राजपूत जाति के प्रति उन्हें गर्व है। **3**

(iv) 'मातृभूमि का मान' एकांकी का उद्देश्य मातृभूमि के प्रति प्रेम और सम्मान को दिखाना और देशभक्ति को बढ़ावा देना है। इस एकांकी में यह दिखाया गया है कि राजपूत अपनी मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने में भी संकोच नहीं करते। **3**

Answer 13.

(i) यहाँ चित्तौड़ राजवंश की बात की जा रही है। चित्तौड़ राजवंश में स्वर्गीय महाराणा साँगा के सबसे छोटे पुत्र कुँवर उदय सिंह जोकि राज्य के उत्तराधिकारी थे। यहाँ उनके जीवन की रक्षा का संकट आ गया था। **2**

(ii) उक्त कथन में वक्ता अपने बेटे का बलिदान करने का संकल्प व्यक्त कर रही है। वह राजवंश की रक्षा के लिए ऐसा करना चाहती है क्योंकि वक्ता पर अपनी मातृभूमि और राजवंश की रक्षा का दायित्व सौंपा गया था। **2**

(iii) राजवंश की रक्षा वीर महिला पन्ना धाय ने की। पन्ना धाय महाराणा सांगा के छोटे पुत्र कुंवर उदय सिंह की धाय माँ थीं। अलाउद्दीन खिलजी के चित्तौड़ पर आक्रमण के समय वह अपने प्राणों की बाज़ी लगाकर कुँवर उदय सिंह को सुरक्षित स्थान पर पहुँचा देती है। **3**

(iv) इस एकांकी में 'दीपदान' त्याग, बलिदान और आत्मसमर्पण का प्रतीक है। एकांकी में राजपूताने की वीरांगना पन्ना धाय ने जिस प्रकार त्याग एवं बलिदान की भावना का परिचय देते हुए, अपने पारिवारिक मोह एवं आसक्ति से ऊपर उठकर अपने कलेजे के टुकड़े चंदन को उदय सिंह की रक्षा में होम करके बलिदान का जो, सर्वोत्कृष्ट आदर्श प्रस्तुत किया है उसका चित्रण करते हुए एकांकीकार कर्त्तव्यनिष्ठा, कर्त्तव्यपरायणता तथा स्वामिभक्ति का संदेश दे रहे हैं तथा यह स्पष्ट कर रहे हैं कि राष्ट्रप्रेम पुत्रप्रेम से भी कहीं अधिक एवं महान् होता है। **3**

Answer 14.

(i) मीनू बचपन से ही वकील बनना चाहती थी। वह अपने उसी सपने को पूरा करने के लिए हॉस्टल जा रही थी। **2**

(ii) जब मीनू के हॉस्टल जाने का दिन आ गया, तो उसके मन में मिश्रित भावनाएँ उमड़ने लगीं। एक ओर उसका सपना और लक्ष्य था, जिसे उसे पूरा करना था, तो दूसरी ओर घर छोड़ने का दर्द भी था। वह माँ-पिता और परिवार से पहली बार अलग हो रही थी। इसीलिए उसकी आँखें छलछला पड़ीं। **2**

(iii) मीनू के हॉस्टल जाने से पहले उसके माता-पिता ने अपने स्नेह और प्रेम को विभिन्न तरीक़ों से व्यक्त किया। माँ हर रोज मीनू की पसंदीदा चीज़ें बनाकर उसे खिलाती थी। पिताजी हर रोज़

उसके लिए कुछ न कुछ लाकर अपनी भावनाएँ प्रकट करते थे।कभी फल, कभी मिठाई, तो कभी उसकी पसंदीदा चीजें लाकर उसे खुश करने की कोशिश करते थे। माँ ने उसे प्यार से गले लगाते हुए आशीर्वाद दिया— **3**

- बेटी, अपने लक्ष्य को पूरा करना। कभी हार मत मानना।
- हमेशा सच्चाई और मेहनत की राह पर चलना।
- भगवान तुम्हारी रक्षा करे और तुम्हें सफल बनाए।

(iv) मीनू ने विवाह का सपना देखना इसलिए छोड़ दिया था क्योंकि उसने अपने जीवन में एक बड़ा उद्देश्य तय किया था। वह सिर्फ़ घर-गृहस्थी तक सीमित नहीं रहना चाहती थी, बल्कि अपने सपनों को पूरा करना चाहती थी और आत्मनिर्भर बनना चाहती थी।

मीनू के इस फैसले से उसकी जो चारित्रिक विशेषताएँ उभरकर आती हैं वह निम्नलिखित हैं—

स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता

महत्वाकांक्षी और दृढ़निश्चई

त्याग और बलिदान की भावना **3**

Answer 15.

(i) इस अवतरण में आशा की शादी की बात हो रही है। आशा के माता-पिता, जिन्होंने उसे स्नेह और लाड़-प्यार से पाला था, अब उसे सदा के लिए किसी और के हाथों सौंप रहे थे। आशा की शादी आलोक से हो रही थी जोकि दिल्ली में इंजीनियर था। **2**

(ii) भारतीय समाज में बेटियों को 'पराया धन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि वह जन्म से लेकर विवाह तक अपने माता-पिता के घर की सदस्य होती है, लेकिन विवाह के बाद उसे अपने ससुराल जाना होता है और वही उसका नया परिवार बन जाता है। **2**

(iii) जब विदाई के बाद मीनू ने अपनी माँ को फूट-फूटकर रोते हुए देखा, तो मीनू के मन में यह विचार बार-बार आ रहे थे कि क्यों बेटियाँ अपने ही घर में पराई हो जाती हैं और क्यों विवाह के बाद उनका अस्तित्व बदल जाता है? उसे यह सोचकर पीड़ा हुई कि जिस घर को वह अपना समझती थी, वह अब उसका नहीं रहा। **3**

(iv) आशा के विवाह में मीनू ने एक आदर्श बहन और योग्य बेटी की भूमिका पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाई। उसने न केवल विवाह की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाई, बल्कि अपने माता-पिता का पूर्ण सहयोग भी किया। **3**

Answer 16.

(i) धनीमल जी एक संपन्न और प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं, जो विवाह संबंध की चर्चा के लिए आए थे। वे अमित के परिवार से रिश्ता जोड़ने की इच्छा रखते थे, इसलिए वे अपनी तरफ़ से स्नेह और सौहार्द्र प्रदर्शित करने के लिए फल की पेटी लेकर आये। **2**

(ii) अमित एक संवेदनशील और आत्मसम्मान से भरा लड़का है। वह सीधा-सादा, ईमानदार और आत्मनिर्भर व्यक्ति है, जो दिखावे और बनावटी व्यवहार को पसंद नहीं करता। वह रिश्तों में सच्चाई और पारदर्शिता को महत्त्व देता है, न कि धन-दौलत और भौतिक चीज़ों को। उसे धनीमल के पैसे का दिखावा और दिखावटी उपहार बिल्कुल भी पसंद नहीं था, इसलिए फल की पेटी उसे एक आँख नहीं भा रही थी। **2**

(iii) यहाँ अमित की शादी के रिश्ते की बात हो रही है। धनीमल जी, जो लड़की के पक्ष से थे, विवाह तय होने से पहले ही उपहारस्वरूप फल लेकर आए थे। अमित इस रिश्ते से प्रसन्न नहीं था। क्योंकि अमित इस रिश्ते को लेकर संदेह और असंतोष महसूस कर रहा था। उसे धनीमल जी का यह व्यवहार व्यावसायिक और बनावटी लग रहा था, जिससे वह सहज महसूस नहीं कर पा रहा था। **3**

(iv) धनीमल जी से जब अमित ने फल की पेटी लाने का उद्देश्य पूछा, तो धनीमल जी ने उत्तर दिया कि यह सब मेहमानों की खातिरदारी के लिए है। वह अपने अतिथियों का स्वागत अच्छे ढंग से करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने फल मँगवाए थे। धनीमल जी का यह उत्तर सुनकर अमित को आश्चर्य हुआ और वह सोचने लगा कि उनके व्यवहार में अचानक इतनी उदारता कैसे आ गई। उसे यह बात थोड़ी असामान्य लगी, क्योंकि आमतौर पर धनीमल जी इतने उदार नहीं होते थे। **3**

❑❑